शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2018–19

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (कंठ/वादन)

101– संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धान्त

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85
आ.मू.–15

इकाई –1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –

श्याम कल्याण, अहीर भैरव, शुद्ध सारंग, रागेश्री, बागेश्री, गुर्जरी तोड़ी।

इकाई –2

अ– निम्नलिखित तालों के ठेके ठाह, दुगुन, चौगुन एवं आड़, कुआड़, विआड़ लय में लिखना एकताल, त्रिताल, आड़ा–चौताल

ब– हारमनी – मैलॉडी का अध्ययन।

इकाई –3

अ– प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बित एवं मध्यलय की बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास–आलाप एवं तानों/तोड़ों सहित

ब– संगीत के सप्तक का विकास

इकाई –4

अ– राग– परिभाषा, जाति एवं प्रकार।

ब– राग वर्गीकरण– दशविधि राग वर्गीकरण एवं राग– रागिनी वर्गीकरण।

इकाई –5

अ– रस की परिभाषाएं, रस प्रकार, स्वर एवं रस का पारस्परिक संबंध।

ब– सौन्दर्य शास्त्र– रस एवं सौन्दर्य का पारस्परिक सम्बन्ध

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017–18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (कंठ/वादन)

102 – भारतीय संगीत का इतिहास

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85
आ.गू.–15

इकाई – 1

संगीत का उद्‌गम – भारतीय एवं पाश्चात्य मतानुसार।

इकाई – 2

भारतीय संगीत का इतिहास–वैदिक कालीन संगीत, सामवेद में संगीत।

इकाई –3

पौराणिक एवं महाकाव्य कालीन संगीत – (रामायण, महाभारत कालीन संगीत)

इकाई –4

जैन एवं बौद्ध कालीन संगीत, मौर्य एवं गुप्तकालीन संगीत।

इकाई –5

भरत कृत नाट्‌यशास्त्र एवं शारंगदेव कृत संगीत रत्नाकर के स्वर, श्रुति, सारणा प्रकरण का अध्ययन

Shoudhry

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017-18

तृतीय प्रश्न-पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

103– राग गायन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–100

इकाई – 1

विस्तृत अध्ययन के राग –

- श्याम कल्याण
- शुद्ध सारंग
- अहीर भैरव
- रागे श्री
- बागे श्री
- गुर्जरी तोड़ी

इकाई – 2

सामान्य अध्ययन के राग –

- परमेश्वरी
- मारवा
- सोहनी
- मधमाद सारंग
- मेघ मल्हार
- बैरागी भैरव

उपरोक्त विस्तृत अध्ययन के रागों में से दो रागों में विलम्बित रचनाएं एवं सभी रागों में द्रुत रचनाएं।

सामान्य अध्ययन के किन्हीं चार रागों में द्रत रचनाएं।

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017-18

चतुर्थ प्रश्न-पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

104 – मंच प्रदर्शन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017-18 से प्रभावशील

पूर्णांक -100

अ. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न-पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न-पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुवपद, एक धमार, दो तराने एवं एक ठुमरी अथवा दादरा लयकारियों एवं उपज के साथ एवं वादन हेतु त्रिताल के अतिरिक्त अन्य ताल में कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन।

बिहाग, बागेश्री, मालकौंस, कामोद, केदार, खमाज, पीलू, काफी।
शास्त्रीय संगीत के रागों पर आधारित फिल्मी गीत अथवा धुन।

Shoudhry

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2018–19

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

201– संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धांत

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85
आ.मू.–15

इकाई –1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –
देवगिरि बिलावल, यमनी बिलावल, मारू बिहाग, नायकी कान्हड़ा, झिंझोटी, मुल्तानी।

इकाई –2

पाठ्यक्रम के रागों की विलम्बित एवं द्रुत बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास। आलाप, तान–तोड़ों सहित।

इकाई –3

निम्नांकित का अध्ययन –
मेजर टोन, माइनर टोन, सेमीटोन, डायटोनिक स्केल, क्रोमेटिक स्केल, समविभागीय स्वर सप्तक।

इकाई –4

राग वर्गीकरण– थाट राग, राग–रागांग वर्गीकरण।

इकाई –5

अ– गायन हेतु– दिये गये पदों को उचित राग एवं ताल में निबद्ध करना।

ब– वादन हेतु– मिजराब के बोलों के आधार पर त्रिताल के अतिरिक्त किसी अन्य ताल में गत रचना।

स– निम्नलिखित तालों के ठेके– ठाह तिगुन, छह गुन के साथ आड, कुआड, बिआड में लिखना। चौताल, तिलवाडा, दीपचन्दी।

Schoudhry

महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2018–19

द्वितीय प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

202– भारतीय संगीत का इतिहास

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85

इकाई –1

खण्डमेरू, स्वर प्रस्तार, नश्टोदिष्ट प्रकरण (शारंगदेव कृत संगीत रत्नाकर के संदर्भ में)

इकाई –2

अ– भारतीय संगीत के मध्यकाल का इतिहास–मानसिंह कालीन संगीत

ब– मुगलकालीन संगीत।

इकाई –3

संगीत के घरानों की ऐतिहासिक जानकारी एवं निम्न घरानों का विशेष अध्ययन– ग्वालियर, किराना, जयपुर, आगरा, सेनिया, इमदाद खाँ घराना।

इकाई –4

आधुनिक कालीन संगीत – पं. भातखण्डे, पं. पलुस्कर का योगदान

इकाई –5

निम्नलिखित विषयों पर लगभग 400 शब्दों का निबन्ध लेखन–

1. भारतीय संगीत में गुरू शिष्य परम्परा।
2. शास्त्रीय संगीत की मंचीय प्रस्तुति का क्रम।
3. संगीत एवं चिकित्सा का सम्बन्ध।
4. राग एवं समय सिद्धांत का मनोवैज्ञानिक प्रभाव।
5. महाविद्यालयीन शिक्षा का प्रारंभ एवं भविष्य

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2017-18

तृतीय प्रश्न-पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

203 – राग गायन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017-18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

इकाई – 1

विस्तृत अध्ययन के राग –

- देवगिरी बिलावल
- यमनी बिलावल
- मारू बिहाग
- नायकी कान्हड़ा
- सूर मल्हार
- झिंझोटी

इकाई – 2

सामान्य अध्ययन के राग –

- सूहा
- सुघराई
- सहाना
- देस
- सरस्वती
- कलावती

विस्तृत अध्ययन के रागों में से दो रागों में विलम्बित रचनाएं एवं चार रागों में द्रुत रचनाएं एवं सामान्य अध्ययन के रागों में कोई चार द्रुत रचनाएं।

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2017-18

<u>चतुर्थ प्रश्न–पत्र</u> – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

204 – मंच प्रदर्शन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

अ. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुवपद, एक धमार, दो तराने एवं एक ठुमरी अथवा दादरा अथवा टप्पा–उपज के साथ एवं वादन हेतु त्रिताल के अतिरिक्त कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन।

यमन, जौनपुरी, दरबारी कान्हाड़ा, मुल्तानी, पहाड़ी, शिवरंजनी, अडाणा, [illegible]।
शास्त्रीय संगीत के रागों पर आधारित फिल्मी गीत अथवा धुन।